छतरपुर तथा टीकमगढ़ में उद्योगों की स्थापना

2445. **श्री लक्ष्मीनारायण नायक :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई उद्योग नीति के अनुसरणों में मध्य प्रदेश के छतरपुर तथा टीकमगढ़ जिलों में कौन कौन से नये बड़े मध्यम तथा लघु उद्योग स्थापित किये जा रहे हैं ।

(ख) क्या उपरोक्त जिलों में जिला उद्योग केन्द्र स्थापित किये गये हैं तथा क्या उन्होंने काम करना आरम्भ कर दिया है और क्या ग्रामीण क्षेत्रों को लाभान्वित करने के लिए उनका वहां प्रचार करनेहेतु कोई कदम उठाये गये हैं ; और

(ग) क्या छतरपुर तथा टीकमगढ़ जिलों को पिछड़े क्षेत्र घोषित किया गया है तथा उनके विकास के लिए हाथ में ली गई औद्योगिक योजनाओं के नाम क्या हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नान्डीस) : (क) नई औद्योगिक नीति घोषित होने के बाद मध्य प्रदेश के छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों में बड़े और मझौले उद्योग स्थापित करने के लिए आशय-पत्र जारी करने अथवा तकनीकी विकास के महानिदेशालय के पास पंजीयन के लिए कोई आवेदन इस मंत्रालय में प्राप्त नहीं हुआ है । चूंकि लघु उद्योग एककों का पंजीयन सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किए जा रहे लघु उद्योगों के बारे में जानकारी केन्द्रीय सरकार के पास उपलब्ध नहीं है ।

(ख) छतरपुर जिले में एक जिला उद्योग केन्द्र स्थापित किया गया है और टीकमगढ़ जिले में एक अन्य केन्द्र स्थापित करने का प्रश्न विचाराधीन है । छतरपुर केन्द्र में काम शुरू हो गया है । इसने कार्य योजना (राक्मनप्लान) तैयार करने का कार्य हाथ में ले लिया है । जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) लघु उद्योग विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान, लघु उद्योग सेवा संस्थान, उद्योग निदेशालय और जिले के लीड बैंकों द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर कार्य योजनाएं तैयार करना तथा तकनीकी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्टों का अद्यतन बनाना ।

(2) परियोजना खासतौर से आरक्षित वस्तुओं के लिए रूपरेखा तैयार करना ।

(3) सम्भाव्यता रिपोर्ट तैयार करना जो चुनी हुई वस्तुओं के लिए निर्भर योग्य हैं ।

(4) बैंकों, वित्तीय निगमों और अन्य वित्तीय संस्थानों के पास अनिर्णीत ऋण सम्बन्धी मामलों पर कार्रवाई करना ।

(5) लघु उद्योगों और ग्रामीण उद्योगों की स्थापना करने वाले उद्यमियों का पता लगाना ।

(6) कारीगरों का पता लगाना और उनके कौशल में अभिवृद्धि करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देने की व्यवस्था करना ।

(7) विकास केन्द्रों का पता लगाना; और

(8) विद्यमान एककों का सर्वेक्षण करना ।

(ग) रियायती वित्त तथा कतिपय अन्य लाभों के लिए छतरपुर और टीकमगढ़ जिलों को पिछड़ा जिला घोषित किया गया है । टीकमगढ़ जिले के टीकमगढ़ और बलदेव गढ़ विकास खण्डों (ब्लाकों) को तथा छतरपुर जिले के छतरपुर विकास खण्ड को केन्द्रीय निवेश राज सहायता पाने का भी पात्र चुना गया है । इन जिलों में स्थापित औद्योगिक उपक्रम निम्नलिखित प्रोत्साहन पाने के पात्र हैं :—

(1) भारत के औद्योगिक विकास बैंक की रियायती पुनर्वित्तीयन योजना ।

(2) आयकार में कटौती ।

(3) तकनीकी सेवाओं के लिए परामर्श ।

(4) उन वस्तुओं के नए एककों का पंजीयन और विद्युत्भेजन एककों का विस्तार जिन पर देश में अन्यथा प्रतिबन्ध है ।

(5) ब्याज राज सहायता ।

(6) लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा आसान शर्तों पर मशीनों का संभरण ।

(7) केन्द्रीय निवेश राजसहायता ।

(8) कच्चा माल क्षयात करने के लिए विशेष सुविधाएं ।

Failure of peace talks with MNF

2446. SHRI RAM SEWAK HAZARI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether President of Mizo National Front, Shri Lal Denga has written a letter in regard to the failure of peace talk;

(b) if so, the details thereof and the reaction of Government thereto; and

(c) the measures proposed to be taken by Government to maintain peace?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Peaceful conditions continue to prevail in Mizoram. Normal vigil is, however, being maintained.

Crimes in Delhi

2447. SHRI K. LAKKAPPA:
SHRI ANANT RAM JAISWAL:
SHRI NIRMAL CHANDRA JAIN:
SHRI RAM LAL RAHI:
SHRI VIJAY KUMAR MALHOTRA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the crime situation in the Union Territory of Delhi as indicated by the number of murders, dacoities, kidnappings, robberies, thefts, etc. committed during the years 1977 and 1978 (uptil now);

(b) the comparative figures of crimes during the previous three years;

(c) the reasons for increase in the incidence of crimes in Delhi;

(d) the steps taken to reduce the crimes and maintain law and order; and

(e) the improvements brought about in checking crimes in Delhi by the introduction of the Police Commissioner system?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL): (a) A statement is laid on the Table of the House.

(b) A statement is laid on the Table of the House.

(c) The main reasons for the increase in crime are free registration of cases, release of bad characters after revocation of emergency, coming up of new resettlement colonies and increase in population.

(d) Among the important steps taken to check the crime are: maintaining strict vigilance over activities of known criminals, stepping up externment proceedings, developing criminal intelligence for which a special centralized squad has also been set up, intensifying patrolling both foot and mobile in the crime effected areas, detailing pickets at strategic places, launching special drive against persons carrying long knives, daggers and such other weapons and setting up a vigilance squad to check eve-teasing and Pickpocketing.

(e) Under the new system, the duality inherent in the police-magistracy system has been done away with. Certain specified powers under the Cr. P. C. have been vested with the police officers. Externment orders are also now being passed by them.

Statement

Head of crime	1977	1978 (upto 31-10-78)
Dacoity . .	21	54
Murder .	183	153
Attempt to murder.	207	227
Robbery .	356	561
Riots	148	244
Hurts	1713	1751
Burglary .	2679	2868
Kidnapping	493	540
Abduction	120	164
Cycle theft	5408	5195
Misc. Theft .	14194	11945
M. V. Thefts	2101	2410
Misc. I. P. C. .	8233	9227
Total IPC . .	35856	36341